2259404

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी अनिवार्य

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 24/03/2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	16	19	
2	6	20	
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	6	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 27071

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - अ
	प्रश्न 1.	
1.	उत्तर 1 (i)	(अ) खोजी पत्रकारिता
1	(ii)	(स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम
1	(iii)	(ब) लिपि
1	(iv)	(अ) बोली
1	(v)	(द) निशा निमंत्रण
1	(vi)	(ब) तुलसीदास
1	(vii)	(अ) कागज का पन्ना
1	(viii)	(स) लक्षमिन (लक्ष्मी)
1	(ix)	(ब) चूरन
1	(x)	(अ) काले मेघा पानी दे
1	(xi)	(अ) भीमराव अंबेडकर
1	(xii)	(अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव

BSER-138/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xiii)	(स) यशोधर पंत
1	(xiv)	(अ) वंसत पाटिल
1	(xv)	(अ) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा
16 1	(xvi)	(द) आनन्द यादव
	प्रश्न-2	
1	उत्तर 2 (i)	अभिधा शब्द शक्ति
1	(ii)	लक्षणा शब्द शक्ति
1	(iii)	श्लेष अलंकार
1	(iv)	वक्रोक्ति अलंकार
1	(v)	वार्षिक
1 6	(vi)	शिविर - Camp [CAMP]

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न 3.

उत्तर 3 (i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक - 'चरित्र बल' या 'चरित्र का महत्व'।

1 (ii) चरित्र बल मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है।

1 (iii) मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों और कठिनाइयों का सामना कर सकता है।

1 (iv) सम्मानपूर्वक और सफल जीवन व्यतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना अनितांत आवश्यक है।

1 (v) जीवन को सुख शांति तथा आनंद से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को निरंतर सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए।

6 1 (vi) सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान सुगंधित शव के समान है।

प्र. 4.

उत्तर (i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक - 'मन की एकाग्रता' या 'मन का एकनिष्ठ प्रेम' या मन की तृष्णा।

BSER-130/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ii)	जहाज का पंछी उड़कर जहाज पर आता है।
1	(iii)	गंगा के जल को छोड़कर कुआँ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने दुर्भाग्य व्यक्ति कहा है।
1	(iv)	करिल के फल जिन्होंने मधुर अंबुज रस चख लिए है उन्हे करील के फल कैसे अच्छे लगेगे। मधुकर को करील के फल अच्छे नहीं लगते।
1	(v)	'मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै' का भावार्थ- मेरा मन कहाँ से सुख पायेगा। क्योंकि मैं तो यहाँ वहाँ घुमता रहता हूँ। मेरे मन को वही अच्छा लगता है जिसमें मेरी रूचि है।
1 (6)	(vi)	'पियासो' शब्द का अर्थ - प्यासा।

BSER-180/2025

खण्ड - ब

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र.5	
(2)	उत्तर	समाचार लिखते समय छः ककारों को ध्यान में रखा जाता है. कौन, कहाँ, कब, कैसे, क्या, क्यों।
	प्र.6	
	उत्तर	"अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।" कहते हुए उनकी आँखो में नमी चमक गई। इस कथन में भूषण ने अपने पिता प.व पंत

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

को ऊनी गाउन देकर दिया जिसे देखकर वह ~~ख~~ खुश हुए पर जब भूषण ने यह कहा कि आप इस ऊनी गाउन को पहनकर दूध लेकर आना ~~तथा तब~~ प.व पंत की आँखो में नमी चमक गई। क्योंकि भूषण इस उम्र में अपने पिता को दूध लाने के लिए भेज रहा।

2

प्र.7
उत्तर पहले दिन ही कक्षा में बैठने पर लेखक का मन खट्टा हो गया क्योंकि लेखक के कक्षा मे जाते ही उसने देखा कि कोई भी बच्चा उसके साथ का नहीं था। उससे पीछे पढने वाले बच्चे भी उ अब उसके साथ पढ रहे है। जो के बच्चे कक्षा में सबसे कमजोर है लेखक अब उनके साथ पढ रहा और कक्षा के कुछ शरारती बच्चो ने उसे परेशान किया यह सब बाते लेखक के मन को पहले ही दिन खट्टा कर देती हैं।

2

प्र.8
उत्तर 'कैमरे बंद अपाहिज' कविता में रघुवीर सहाय ने इलैक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मी व आधुनिक काल के लोगो को संवेदनाहीन व क्रूरता को सामाजिक विडंबना को उभारने का प्रयास किया है। इलैक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मी को सर्वस्त शक्तिवान व ~~बद~~ बलवान बताया है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
6		क्योंकि यह अपने स्वार्थ के लिए किसी भी हद या किसी भी प्रकार का कार्य कर सकती है। यह अगले व्यक्ति के बारे में कुछ नहीं सोचती है कि उस पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। यह अपने चैनल की ओर दर्शकों को आकर्षित करने अपाहिज से संवेदनहीन प्रश्न पूँछती हैं। जिससे उन्हें अधिक से अधिक धन प्राप्त हो सके।
2	प्र॰9 उत्तर	लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन जब सवार हुई जब वह अपने ससुराल में अपनी सास के रहता है तो उसे कुछ लोग परेशान करते है थे तो वह सोचता था कि वह बड़ा व शक्तिशाली होकर इन इन सभी से वापस बदला लूगा इस कारण से लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन सवार हुई। वह दूध पीकर फिर कसरत करता था। यह लुट्टन नौ वर्ष की उम्र में ही कसरत करने लग गया जिससे उसका शरीर कुछ दिनो में बड़ा व शक्तिशाली हो गया था। वह अपनी सास को परेशान करने वाले बदमाशो से बदला लेना चाहता था इसलिए उस पर कसरत का भूत सवार था।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

प्र.10

उत्तर बाजार का जादू उस पर चलता है जिसका मन खाली होता है। क्योंकि बाजार में अनेक आकर्षक व चमकदार वस्तुएं होती है जिससे लोग उनकी तरफ आकर्षित हो जाते है व अनावश्यक वस्तुओं को भी खदी खरीद लेते हैं। बाजार का जादू उन्ही लोगो पर चलता है जिनका मन खाली व जेब भरी हुई होती है वह अपनी पेजिंग पावर का अत्यधिक दुरुपयोग करते हैं। वह बाजार में अपने पैसो का रोफ दिखाते है और अनावश्यक चीजे खदी खरीदते है जिनका उनके जीवन में कोई महत्त्व ही नहीं है। जिन लोगो का मन भरा होता है व जेब खाली रहती है उन पर बाजार का जादू नहीं चलता है क्योंकि वह बाजार में अपना लक्ष्य लेकर जाते है जैसे सब्जियाँ, नमक, जीरा आदि सब चीजे लेकर ही आयेगे बाकि फालतू कालतू वस्तुएं नहीं खरीदते हैं। इसलिए हमें बाजार की चमक को देखकर आकर्षित नहीं होना चाहिए क्योंकि इसमें हमारा ही नुकसान होता हैं।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.11

उत्तर "यह एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है" यह प्रस्तुत कथन 'कविता के बहाने' कविता से लिया गया है। इसमें कवि कहता है चिड़िया की उड़ान सीमित होती है जबकि कविता की उडान असीमित होती है जिस प्रकार चिड़िया एक घर से दूसरे घर व आकाश में स्वतंत्र होकर उड़ती है उसी प्रकार कविता भी अपने भाव एवं कल्पनाओ को एक राज्य से दूसरे राज्य में बिखेरती है। जिस प्रकार फूल अपने रंग व सुगन्ध को फैलाता है उसी प्रकार कविता अपने भावो, व कल्पनाओ व रसो को फैलाती है। फूल एक समय पश्चात मुरझा जाता है लेकिन कविता मुरझाती नही वह सर्वदा अपना भावो को बिखेरती है या फैलाती है ठीक इसी प्रकार बच्चे होते है जो किसी प्रकार का भेदभाव, निम्न निरासा नहीं रखते है वह सभी के साथ अपनत्व का भाव रखते है। वह एक घर से दूसरे घर अपना ममत्व या प्यार देते है कविता भी अपना भाव इसी प्रकार देती है कविता की तुलना बच्चे क से की गई है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.12

उत्तर किशनदा के दिल्ली से चले के बाद यशोधरबाबु ने किशनदा की हर परंपराओ को जीवित रहने रखने की कोशिक की है।

यशोधर बाबु को किशनदा का मानस पुत्र कहा जाता है। यह किशनदा के दिल्ली के बाद यशोधर बाबु ने होली ~~का~~ पुजवाना, जुन्यो पुन्यो के दिन कु माऊमानीय की पूजा कर, रामलीला के लिए घर पर एक कमरा दे देना, ऐसे अनेक कार्य किशनदा के अनुसार बताये हुए करते थे। किशनदा का मानना था कि घर नही बनाना चाहिए। यशोधर बाबु किशनदा के आदर्शों पर चलते थे, किशनदा की तरह बिडला मंदिर जाकर वहां पूजा पाठ करते थे और घर पर संध्या समय पूजा पाठ आदि करते थे। किशनदा की तरह यशोधर बाबु व सबुह सैर करने जाते थे और यशोधर बाबु ऊनी गाउन पहनकर सुबह दूध लेने जाते है। यशोधर बाबु हाथ में छडी लिए हुए, पैरो में देशी खडाऊँ व सिर पर टोपी और ऊनी गाउन को पहनते थे। ये सभी छवि यशोधर बाबु ने किशनदा से प्राप्त कि थी।

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.3

उत्तर

हरिवंश राय बच्चन

परिचय

कवि - हरिवंश राय बच्चन

जन्म - सन 1907 इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

प्रमुख रचनाएँ - मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण, मिलनयामिनी, सतरंगिनी, आरती और अंगारे, नए पुराने झरोके, आकुल और अंतर, नीड़ का निर्माण फिर, शृंखला की टूटी फूटी कड़ियाँ, मैक बैथ, सौपान दश द्वार तक, हेमलेट, प्रवासी डायरी, आदि ये सभी प्रमुख कृतियाँ हैं। क्या बोलू क्या याद करू।

उनका वाङ्मय 'बच्चन ग्रंथावली' दश खंडों में प्रकाशित है।

मृत्यु : सन 2003 मुंबई में।

3

विशेष तथ्य : • हरिवंश राय बच्चन हलावादी युग के कवि थे।

• हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित निशा निमंत्रण से दिन जल्दी-जल्दी ढलता है से कविता ली गयी है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.4

उत्तर सूचनाओं के प्रमुख चार माध्यम होते हैं।

मुद्रित या प्रिंट माध्यम
1 रेडियो
2. टी.वी.
3. इन्टरनेट
4.

1. मुद्रित माध्यम - इसमें पत्रकार को लिखते समय ध्यान रखना है इसके कोई अशुद्धि न हो और भाषा सरल होनी चाहिए। यह आधुनिक मीडिया का सबसे पुराना माध्यम है। इसका आविष्कार गुटेनबर्ग ने किया था। भारत का पहला छापाखाना 1950 में गोवा में खुला था।

2. रेडियो - यह एक श्रव्य माध्यम है। इसमें व्यक्तियों को निश्चित समय पर रेडियो को सुनना पड़ता है और सुनने के बाद समझना नहीं पड़ता है। इसमें व्यक्ति को समाचार सुनने के पश्चात समझने का समय नहीं मिलता है। और बीच में वार्तालाप में नहीं होती है।

3. टी.वी. - यह एक श्रव्य व दृश्य माध्यम है। इसमें लोग देख व सुन सकते हैं। यह अनपढ़ व्यक्तियों के लिए उपयोगी माध्यम है। यह

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यह बच्चों मे के शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्दि करता है।

9. इन्टरनेट - यह आधुनिक युग बहुत तीव्र और लोकप्रिय है। इसमें लोग किसी भी समय पढ व सुन सकते है। इसमे व्यक्ति किसी कभी भी किसी भी समय पढ सकता है व समझ सकता है। इसमें प्रिंट मीडिया, टीवी, रेडियो व सिन सिनेमा आदि माध्यम उपस्थित होते है। यह इसमें दूर बैठे लोगो से बातचीत हो सकती हैं।

3

खण्ड -द

प्र॰15

उत्तर जन्म से ही
— — — — —
शरीर का संगीत

~~प्रसंग~~ - संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'आरोह' के भाग भाग से लिया गया है प्रस्तुत काव्यांश 'अलोक धन्वा' द्वारा रचित 'दुनिया रोज बनतीहै' से लिखा 'पतंग' भाग से लिया गया है।

प्रसंग - प्रस्तुत काव्यांश मे कवि कहता है कि बच्चे जन्म से ही अपने साथ कोमलता लिए आते है। इनके पात बहुत कोमल है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या - कवि कहता है कि बच्चे जन्म से ही अपने साथ कोमलता या कपास जैसा हल्का फुलका शरीर लाते है। इनके पाँव इतने कोमल होते है पृथ्वी स्वयं इनके पैरो की कोमलता को स्पर्श करना चाहती है। जब वे दौडते है इनके कोमल पैरो से घरो की छतो को ~~कोमल~~ नरम बना देते है, व जब बच्चे चलते है तो ऐसा लगता है कि चारो दिशाओं में मृदंग बज रहा है। इनका शरीर व हाथ पैर डाल की तरह लचीले होते है जो खतरनाक किनारों से गिरने से बचाते है वे अपने रन्ध्रो के सहारे उडते है। उन्हे सिर्फ उनके शरीर का रोमांचित संगीत सुनाई देता है।

विशेष - 1. इसमें खडी बोली का प्रयोग हुआ है।
2. भाषा सरल व सहज है।
3. भाषा शैली विवरणात्मक है।
4. छन्द मुक्त शैली है।
5. इसमें अलंकारो का उत्तम प्रयोग हुआ है।
7. इसमें माधुर्य व वात्सल्य रस है।
8. कवि बच्चो को कोमल रुई के समान बताया गया है।

6

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.16

उत्तर फूल है शिरीष ———— करता रहता है।

संदर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'आरोह' के भाग दो से लिया गया है।
प्रस्तुत गद्यांश में 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' द्वारा रचित शीर्षक 'शिरीष के फूल' से यह गद्यांश लिया गया है।

प्रसंग - लेखक कहते है कि यह शिरीष एक अवधूत है जो कठिन परिस्थितियों में मस्त रहता है।

व्याख्या - लेखक कहते है कि शिरीष एक फूल है, जो वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है और आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम भर गया तो भरे भादो के महीने में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है तब एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की में संघर्ष करके कठिन परिस्थितियों में भी अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विशेष - 1. भाषा शैली सरल व सुबोध है।

2. भाषा शैली वर्णात्मक व विवरणात्मक है।

3. इसमें लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है।

4. यह मुहावरेदार भाषा शैली है।

5. इसमें तद्भव शब्दों का प्रयोग हुआ है।

6. शिरीष के फूल को कालजयी अवधूत बताया गया है।

7. शिरीष का फूल विकट परिस्थितियों में मस्त खड़ा रहता है।

(6)

BSER-180/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र० 17
उत्तर

विज्ञप्ति

~~सर~~ राजस्थान सरकार
मा० शि० बोर्ड उत्तरप्रदेश

क्रमांक - विज्ञप्ति/क./2017 दिनांक- 25-5-27

विज्ञप्ति

समस्त पुस्तक विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्य पुस्तक बिक्रेता जो विक्रेता पुस्तक बेचते है वह अपनी विक्रेता पुस्तक को बोर्ड कार्यालय, इलाहाबाद में पंजीकृत करवाई। नहीं तो पुस्तक नही भेजी जायेगी। जिन्होंने पाठ्य पुस्तक विक्रेताओं ने पंजीकरण नहीं करवाया व दिनांक 24.5.2024 को पंजीकरण करवा सकते है

5

भवदीय
हस्ताक्षर
(क. ख. ग)
सचिव
मा० शि० बोर्ड, उत्तरप्रदेश

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र॰ 18
उत्तर

निबन्ध

हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर
संकेत बिंदु
1. प्रस्तावना
2. बुजुर्गों का महत्व
3. बुजुर्ग हमारी धरोहर
4. बुजुर्ग का आदर सत्कार
5. ~~उपसंकार~~ उपसंहार

1. प्रस्तावना : हमारे बुजुर्ग का हमारे जीवन में अति सम्पूर्ण स्थान है। हमारे बुजुर्गों से हमें अच्छे संस्कार मिलते हैं। बुजुर्गों के कारण ही आज हमारा अस्तित्व है। उनके बिना हमारा यहां कुछ भी नहीं है। हर जगह हमारे साथ रहते है और हर ~~कठिनाईयों~~ कठिन परिस्थितियो में हमारे साथ खड़े रहते है। हमें हमारे हित के बारे में और आगे की समस्याओ से बचने की सलाह देते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. बुजुर्गों का महत्व - हमारे दादा-, नाना - नानी आदि हमें हमारे प्राचीन संस्कारो से जोड़े रखते हैं और हमें हमारे ~~नेक~~ संस्कार के बारे में जानकारी देते हैं, और हमारे यहां तीज - त्यौहार कैसे बनाते और उनका हमारे जीवन में क्या महत्व है और ये सब हमें बुजुर्गों द्वारा व अन्य ज्ञान प्राप्त होते हैं। बुजुर्ग हमें प्राचीन सभ्यता का और उनके जीवन जुड़ी हर बात का ज्ञान देते है जिससे ~~हमारे~~ ~~हमें~~ हमारा उनके प्रति और लगाव बढ़जाता है। अधिकांश संयुक्त परिवारों में ही यह सम्भव है क्योंकि अभी तो एकल परिवार अधिक संख्या में जिसमें ~~दादी~~ ~~नह~~ दादा नहीं रहते हैं। इसलिए ऐसा कहा गया है कि ~~हमारी~~ ~~घरो~~ हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर हैं।

3. बुजुर्ग हमारी धरोहर है: बुजुर्ग लोग उन्ही घरो में रहते है जिनमें अभी भी संयुक्त परिवार है संयुक्त परिवार अधिकांशतः गाँवो में होते हैं। बुजुर्ग के कारण ही हमारा अस्तित्व है यह बात आजकल के लोग समझते नहीं है और अपने माता पिता को अनाथ आश्रम में भेज देते है ताकि उनकी सेवा नहीं करने पड़े यह बात

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बिल्कुल सही नहीं है जिनके कारण आज इस संसार में उसी का आदर नहीं करते है तो हमारे जीवन का कोई मूल्य नहीं है हमें हमारे माता - पिता, दादा - दादी आदि का सम्मान करना चाहिए। उनके बिना हमारा इस दुनिया में कुछ भी नहीं। इसलिए कहा गया है हमारे बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं।

4. **बुजुर्ग का आदर सत्कार :** हमें बुजुर्ग का आदर सत्कार करना चाहिए यह सही है पर हमें अपने व से बड़े सभी लोगों का ~~आद्धार~~ आदर करना चाहिए। अधिकतर हम देखते है किसी तीज त्यौहार हम किसी के घर जाते है तो ~~उनके~~ उनके पैर छूकर उनका आर्शीवाद लेते है यह कार्यक्रम बुजुर्गों से चलता आ रहा है। लेकिन आजकल के लोग इतने व्यस्त हो गये है कि घर आये व्यक्ति से भी आर्शीवाद नहीं लेते है। बुजुर्गों का आदर सम्मान करने से हमारी ~~अम~~ उम्र कम नहीं होती है हमें सकुशल व आगे बढ़ने की कमानाऐं दि जाती हैं। बुजुर्गों का आदर सत्कार करना हमारा कर्म है और हमें इसे करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपसंहार - हमें हमारे जीवन में बुजुर्गों को समझना चाहिए और उनकी दिए गए बातों को जीवन में उतारना चाहिए। ~~बुजुर्गों~~ बुजुर्ग ~~हमारी जो~~ जो हमें सीखाते है उनकी सच्चाई का मार्ग हमें अपनाना चाहिए। अन्याय व किसी के साथ बुराई नहीं करनी चाहिए।

5

"बुजुर्ग है तो हमारे संस्कार है।
बुजुर्ग है तो हमारी प्राचीन ~~प्राचीनी~~ संस्कृति है" ||

समाप्त

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025